बच्चों के लिए बाइबिल
प्रस्तुति

बुद्धिमान राजा सुलैमान

लेखक: Edward Hughes
व्याख्याकार: Lazarus
रूपान्तरकार: Ruth Klassen
अनुवाद: Suresh Kumar Masih
प्रस्तुतकर्त्ता: Bible for Children
www.M1914.org

BFC
PO Box 3
Winnipeg, MB R3C 2G1
Canada

©2015 Bible for Children, Inc.
अनुज्ञापत्र (लाइसेंस): आप इन कहानियों की छाया प्रति और मुद्रण करवा सकते हैं, बशर्ते कि बेचें नहीं।

राजा दाऊद परमेश्वर का एक महान जन था। उसके शासन काल के दौरान, इस्राएल, राजा शाऊल के राज्य की तुलना में दस गुना बड़ा हो गया था। लेकिन अब वह शासन नहीं कर सकता था।

दाऊद बूढ़ा हो चुका था। वह थक गया था! और बीमार रहता था! उसका पृथ्वी पर का जीवन अपने अंतिम कागार पर था।

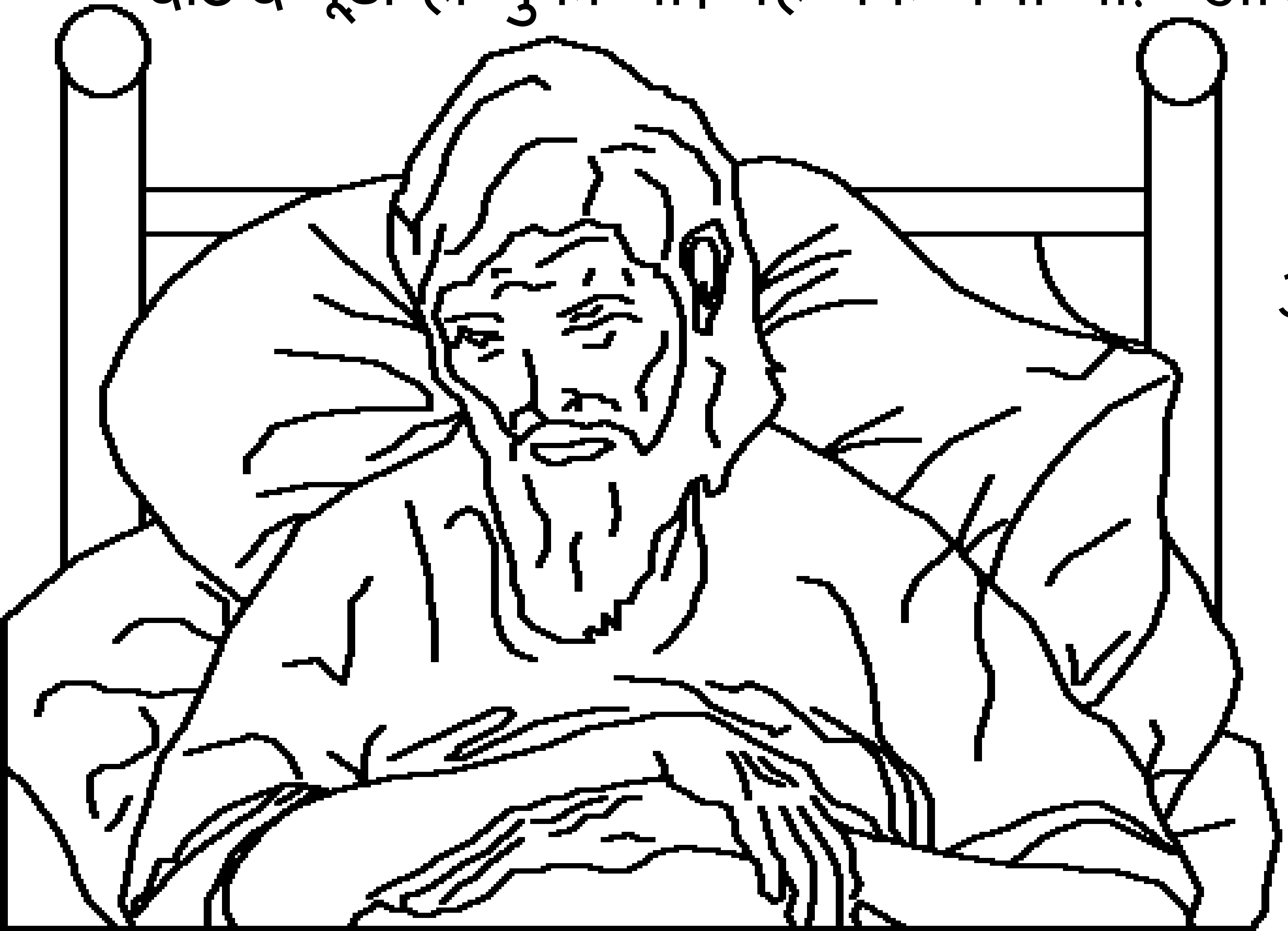

दाऊद के कई पुत्रों में से एक, अदोनिय्याह, ने इस्राएल के लोगों को बताया कि अब वह राजा बनेगा। उसके नाम का अर्थ "मेरे परमेश्वर ही मेरा प्रभु है" अदोनिय्याह अच्छा आदमी नहीं था। यह जानते हुवे की दाऊद बचाने में कमजोर है, कपट और चोरी से सिंहासन चुराने की कोशिश की। लेकिन परमेश्वर की अपनी अलग योजना थी!

दाऊद की पत्नी बतशेबा को पता था की उसका पुत्र सुलैमान ही राजा होगा। उसने अदोनिय्याह की योजनाओं के बारे में दाऊद को बताया। जबकि वह बुरी तरह से बीमार था तौभी, दाऊद ने अपने अगुवों को एकत्रित किया और सार्वजनिक रूप से सुलैमान को इस्राएल का राजा बनाया।

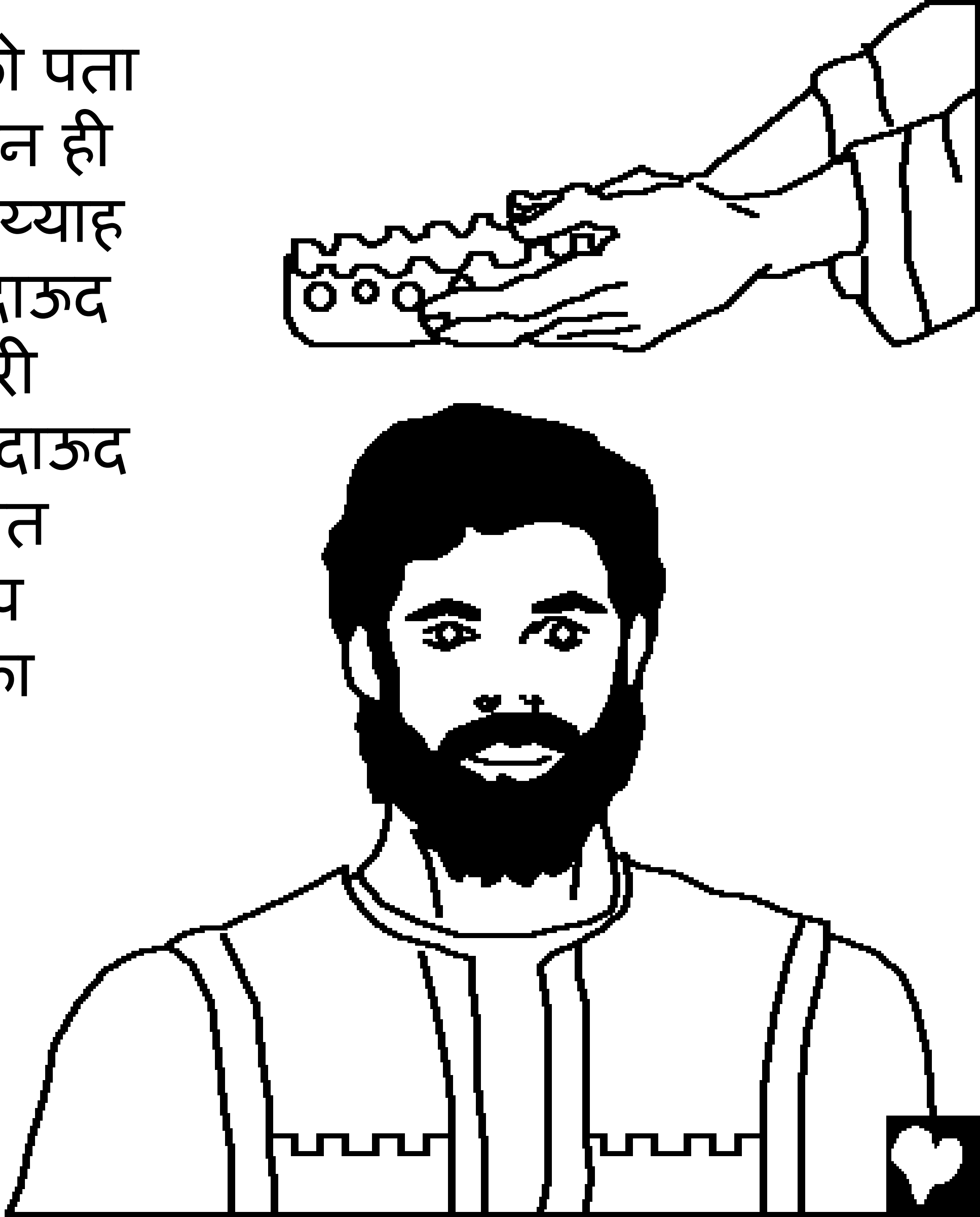

सुलैमान को अदोनिय्याह् के साथ कोई अधिक परेशानी नहीं हुई क्योंकि इस्राएल के लोगों ने दाऊद की बातों पर विश्वास किया। दाऊद ने उन्हें बताया की सुलैमान को परमेश्वर ने उनका राजा होने के लिए चुना है। शीघ्र ही, दाऊद की मृत्यु हो गयी ।

दाऊद अपनी मृत्यु से पहले एक अच्छा राजा होने और परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करने के बारे में सुलैमान को सिखाया। दाऊद ने अपने बेटे से कहा, "तुम्हे सब कुछ में समृद्ध होने के लिए कि, परमेश्वर के तरीके से चलना होगा," यह अच्छी सलाह थी! तब सुलैमान ने अपने पिता, दाऊद के सिंहासन पर बैठा, और उसके राज्य को मजबूती से स्थापित किया।

एक रात, सुलैमान ने एक सपना देखा। उसके सपने में, परमेश्वर ने उसे दर्शन देकर कहा, "तुम्हे जो चाहिए मांग, मैं तुम्हे क्या दूँ?"

आप अपने लिए क्या मांगते?

सुलैमान ने एक अच्छा राजा होने के लिए बुद्धि को माँगा। नौजवान राजा ने अनुरोध किया और उसपर परमेश्वर की कृपा हुई। सुलैमान ने जो माँगा उसे परमेश्वर ने दिया और उसके साथ - परमेश्वर ने उसे महान धन और सम्मान देने का भी वादा किया।

सुलैमान के ज्ञान की खोज करने में लोगों को ज्यादा वक्त नहीं लगा। एक दिन, दो माताएँ एक बच्चे के साथ, उसके सामने आयीं। एक महिला ने कहा "इस महिला के बेटे का रात में देहांत हुआ, और वह मेरे जीवित लडके को उठा लिया और उसका मृत शिशु मेरे पास छोड़ दिया।" पर एक और दूसरी महिला ने कहा, "नहीं! जो जीवित है वह मेरा पुत्र है, और मरा हुआ तुम्हारा है।"

राजा कैसे बता सकता था कि बच्चे की असली माँ कौन है?

तब राजा ने कहा, "एक तलवार ले आओ" तब वे राजा के सामने एक तलवार ले आये। आपको क्या लगता है कि राजा इस तलवार के साथ क्या करने की योजना बना रहा था?

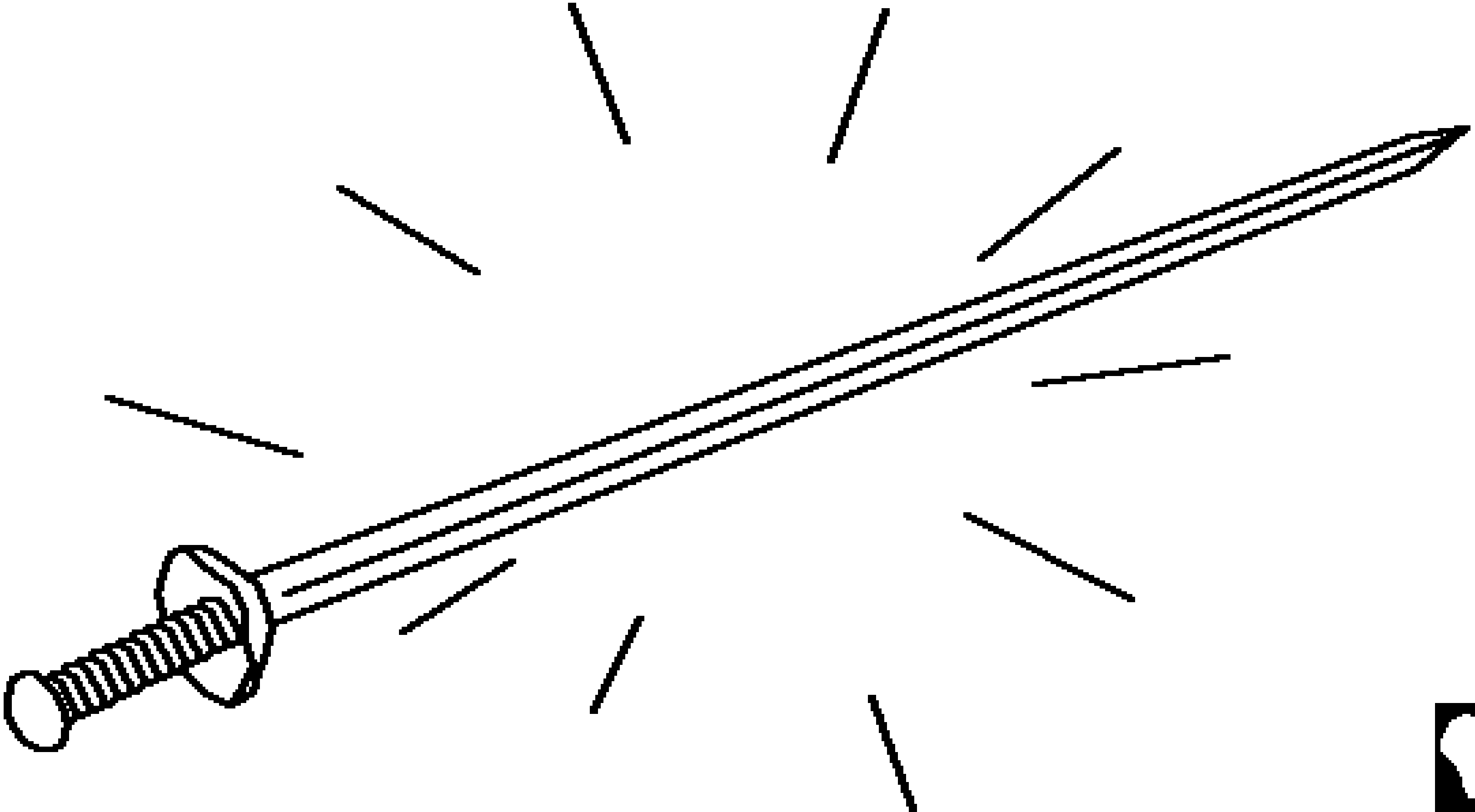

राजा ने कहा, "बच्चे को दो टुकड़ो में बाँट दो और एक को आधा तथा दूसरे को आधा करके दे दो।" तो फिर जीवित बच्चे की मां ने कहा, "हे मेरे प्रभु, उस जीवित बच्चे को न मार, इस जीवित बच्चे को उसे दे दो"।

लेकिन अन्य स्त्री ने कहा, "उस बच्चे को न मेरा और न ही उसका होने दे, लेकिन उसे विभाजित कर दे (दो भाग में बाँट दे)।"

तब राजा ने कहा, "पहली महिला को जीवित बच्चा दे दो, वही उसकी माँ है" और सारा इस्राएल इस फैसले के बारे में सुना, और वे राजा की बहुत सराहना किये। उन्होंने यह देखा की उस में परमेश्वर का ज्ञान था।

इस्राएल के लोगों के पास परमेश्वर की पूजा करने के लिए, कोई मंदिर नहीं था। जब दाऊद ने एक मंदिर के निर्माण करने की योजना बनाई, तब परमेश्वर उससे कहा था कि, "तुम्हारा पुत्र मेरे नाम के निम्मित मंदिर का निर्माण करेगा।"

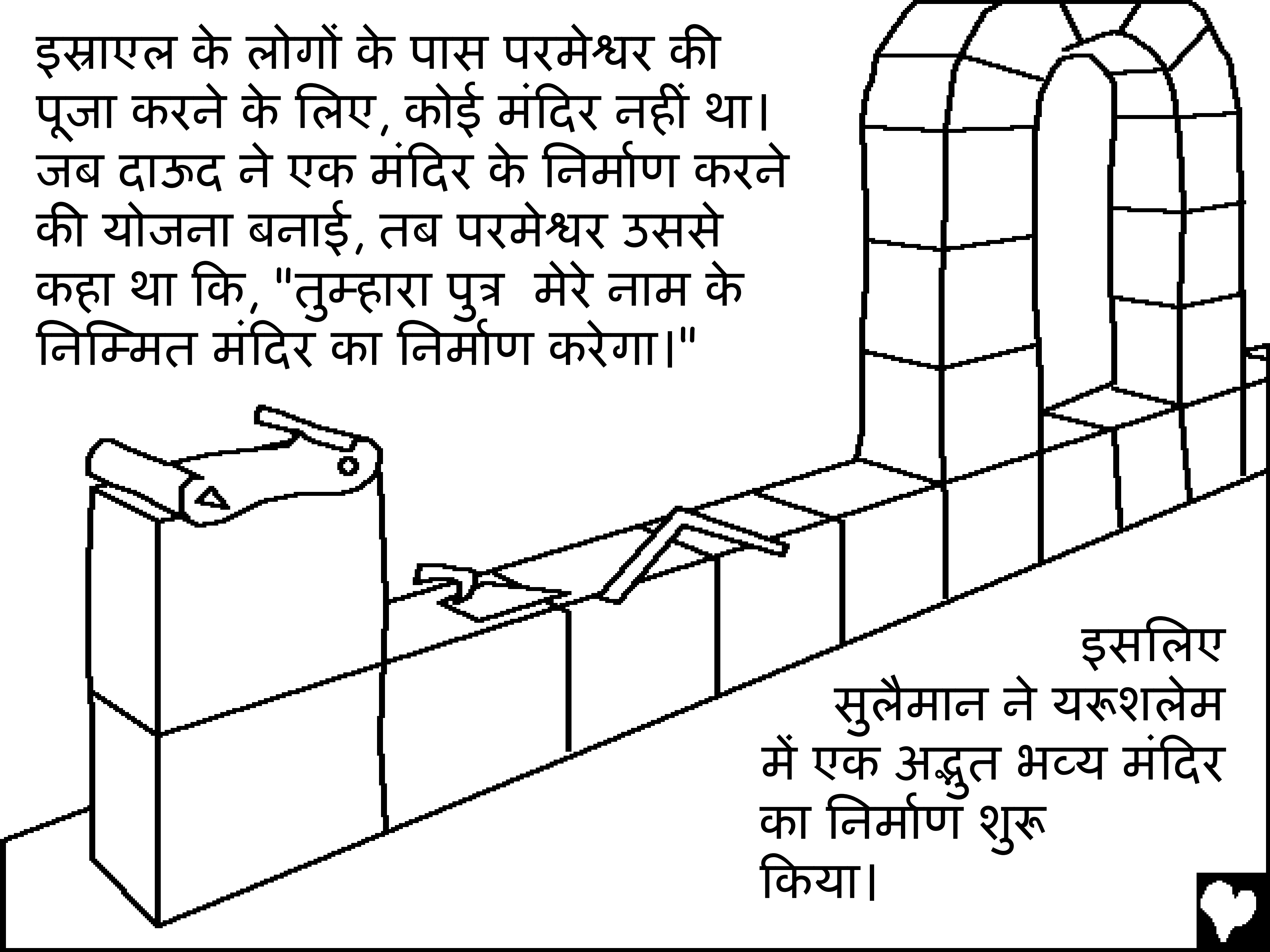

इसलिए सुलैमान ने यरूशलेम में एक अद्भुत भव्य मंदिर का निर्माण शुरू किया।

इस मंदिर के निर्माण में सात साल लगे थे। लेकिन उस महान दिन पर लोग सुलैमान को सुनाने के लिए आये जब वह मंदिर को यहोवा के लिए समर्पित करने वाला था।

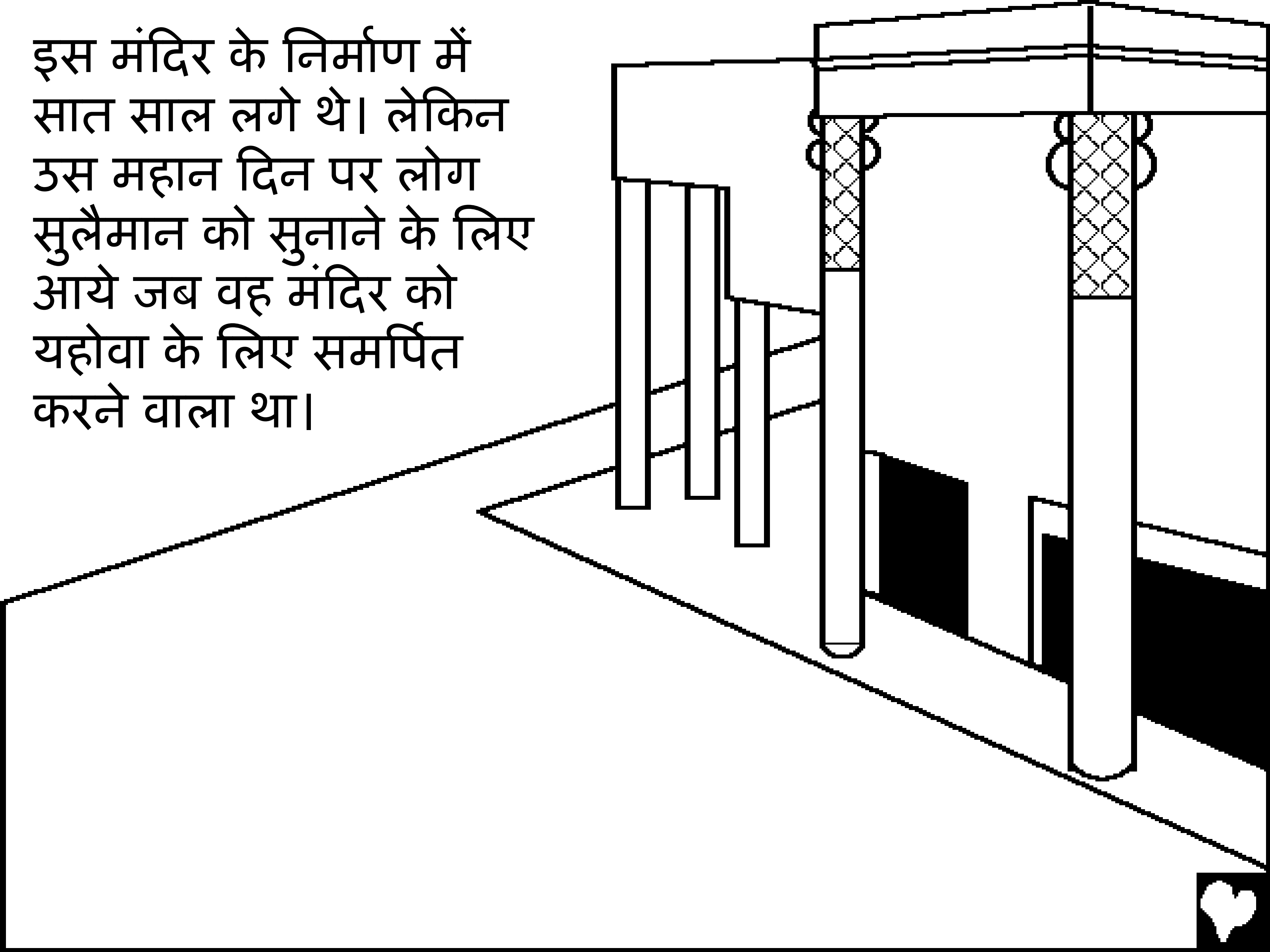

एक अद्भुत प्रार्थना के बाद
राजा और लोग खुशी से
हजारों की तादाद में बलि
चढ़ाये और दो सप्ताह तक
एक महान
दावत किये।

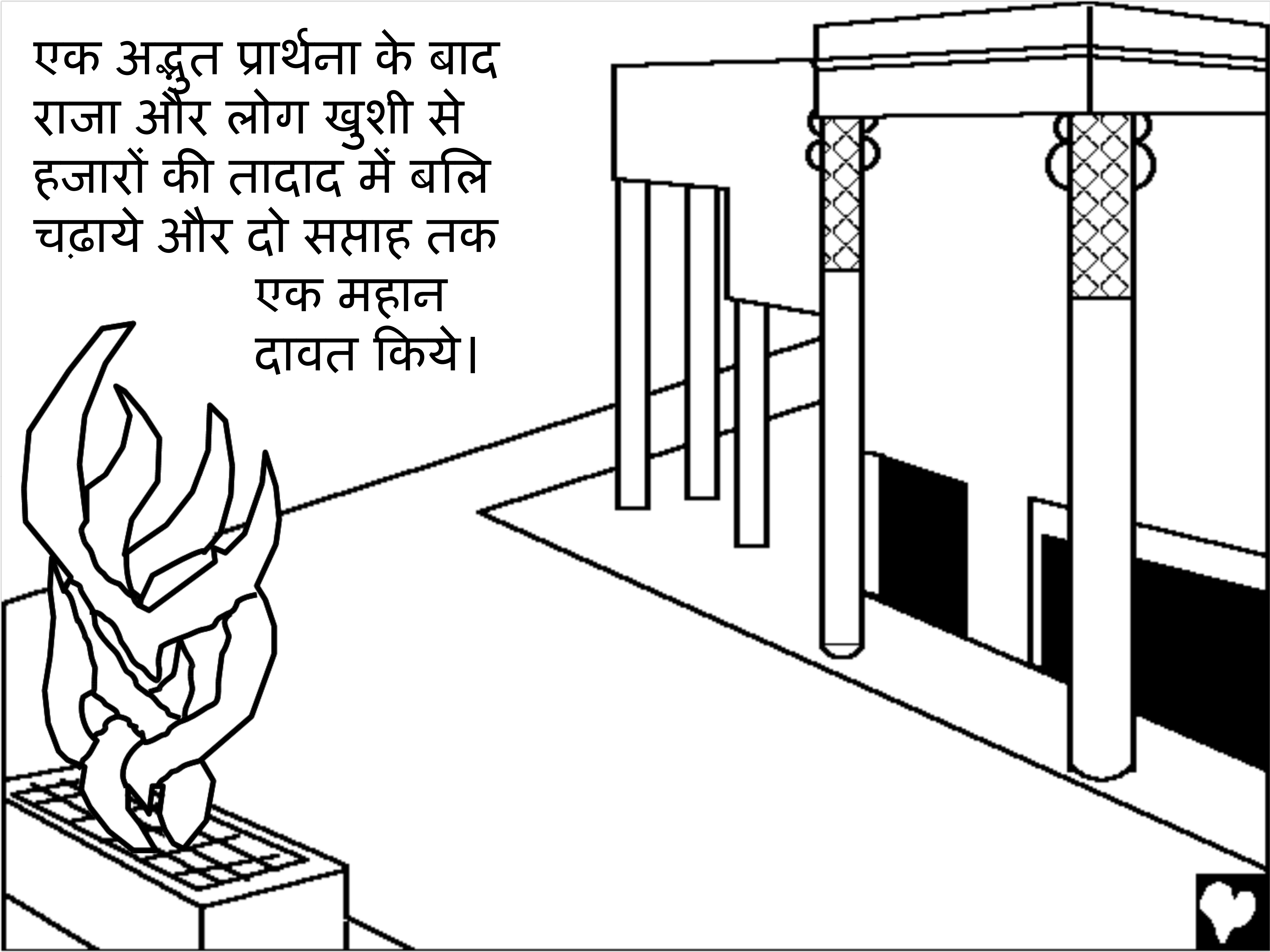

इस के बाद, परमेश्वर सुलैमान
को फिर से दिखाई दिया और
वायदा किया की जब तक
वे यहोवा की बात मानेगे वह
इस्राएल को आशीष देगा।

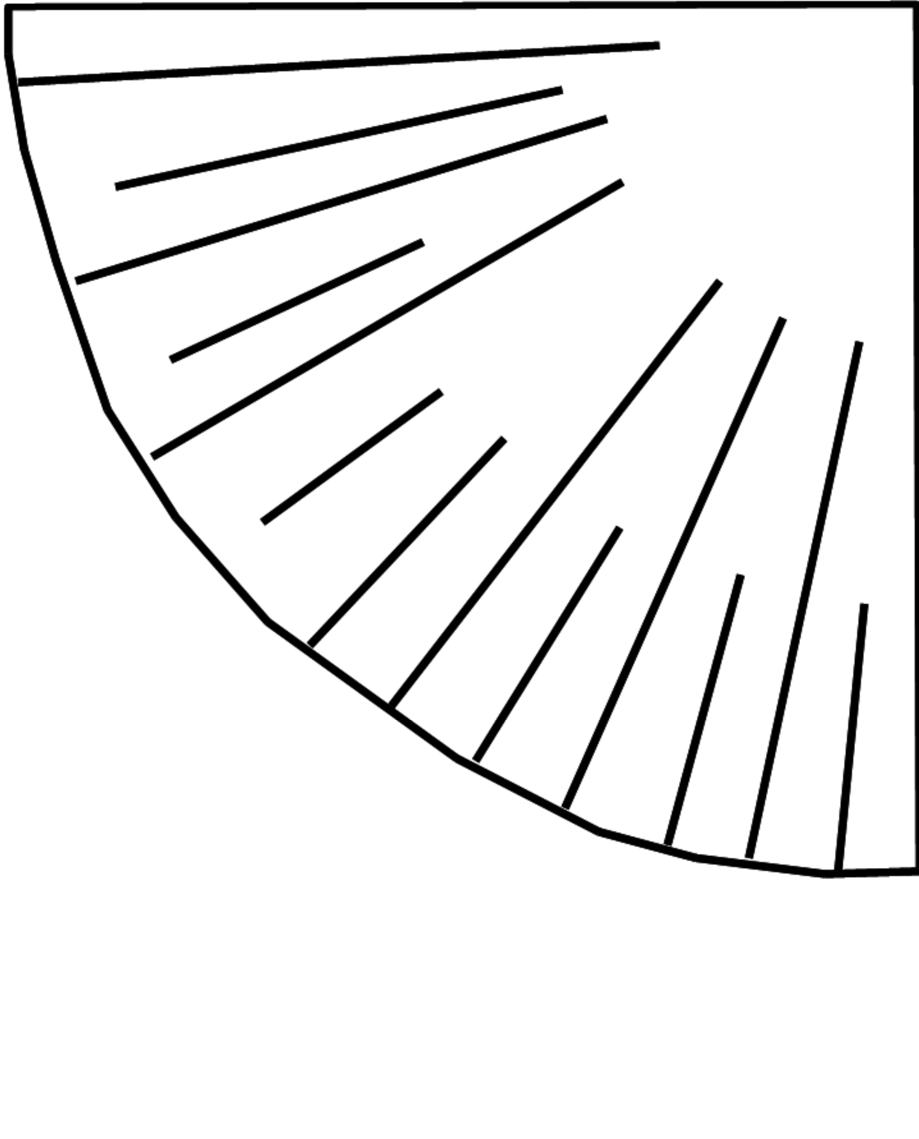

अफसोस की बात है, न सुलैमान और न ही इस्राएल के लोगों ने सदा के लिए परमेश्वर की बात मानी। राजा ने बहुत सारी स्त्रियों के साथ शादी कर ली परन्तु परमेश्वर नहीं चाहता था की वह उनसे शादी करे। उसकी असभ्य पत्नियों ने उसके मन को मूर्तियों की पूजा के लिए मोड़ दिया, जिस प्रकार उसके पिता दाऊद का दिल परमेश्वर के प्रति वफादार था, अब सुलैमान का दिल वैसा नहीं था।

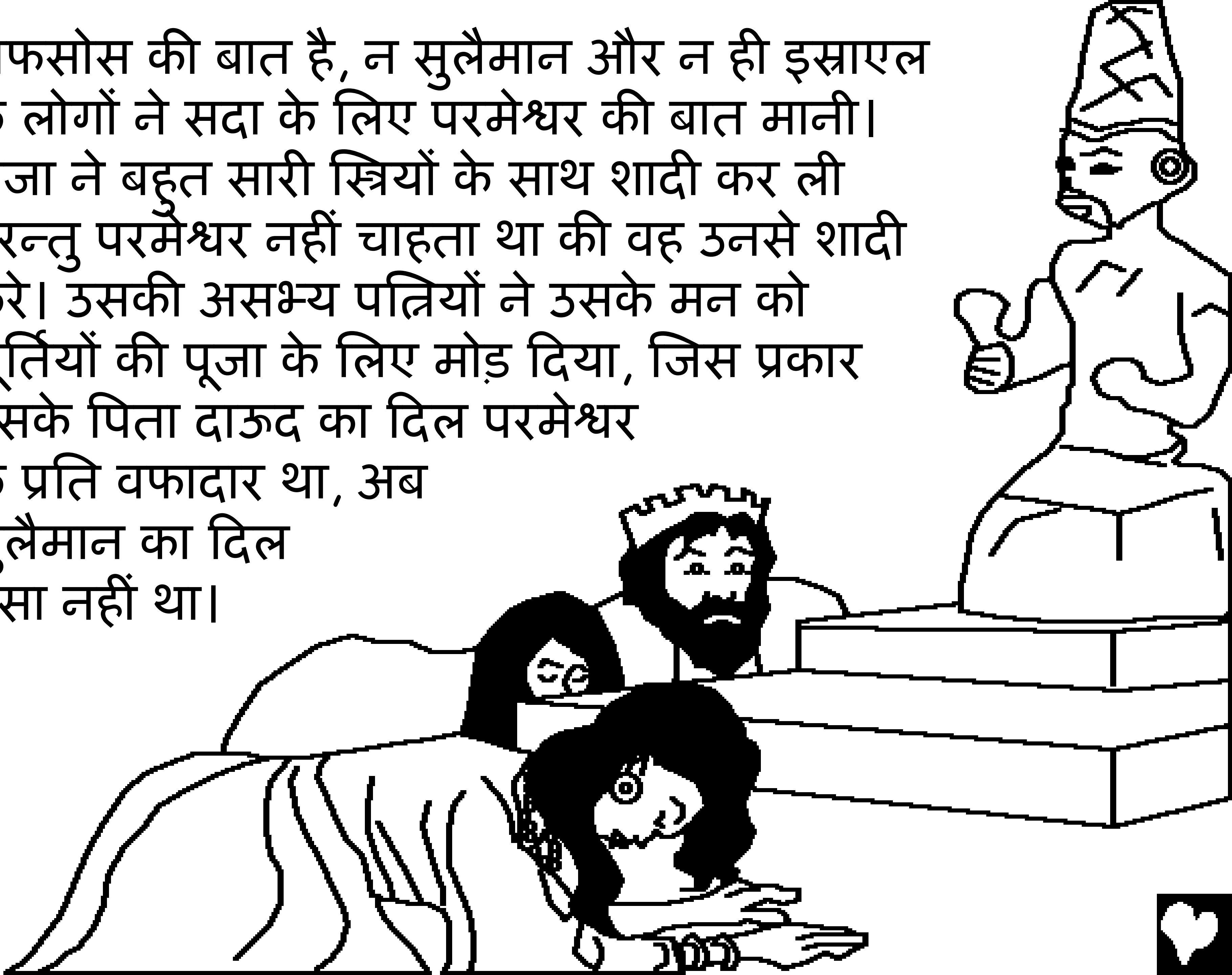

जबतक सुलैमान परमेश्वर की आज्ञा का उलंघन करके समय बर्बाद किया, उसके अधिकारियों में से एक यारोबाम ने एक अजीब अनुभव मिला। एक भविष्यद्वक्ता ने यारोबाम को बताया की परमेश्वर सुलैमान के राज्य को दो भागों में विभाजित करेगा, बारह में से दस गोत्रों का शासक यारोबाम होगा। यारोबाम जल्दी से मिस्र देश को भाग गया। वह जानता था कि यदि वह वहां रुकेगा तो सुलैमान उसे जान से मार डालेंगे।

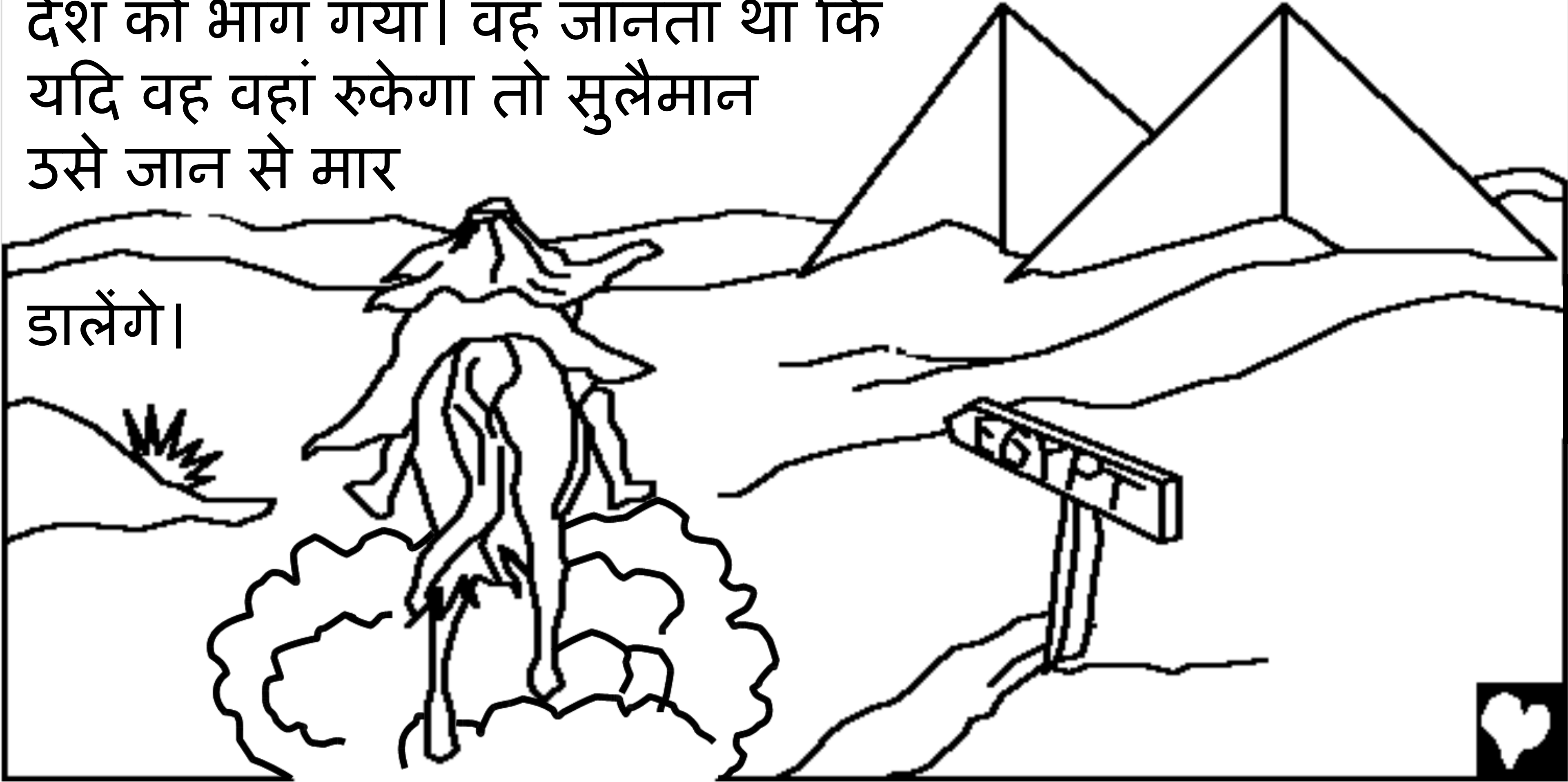

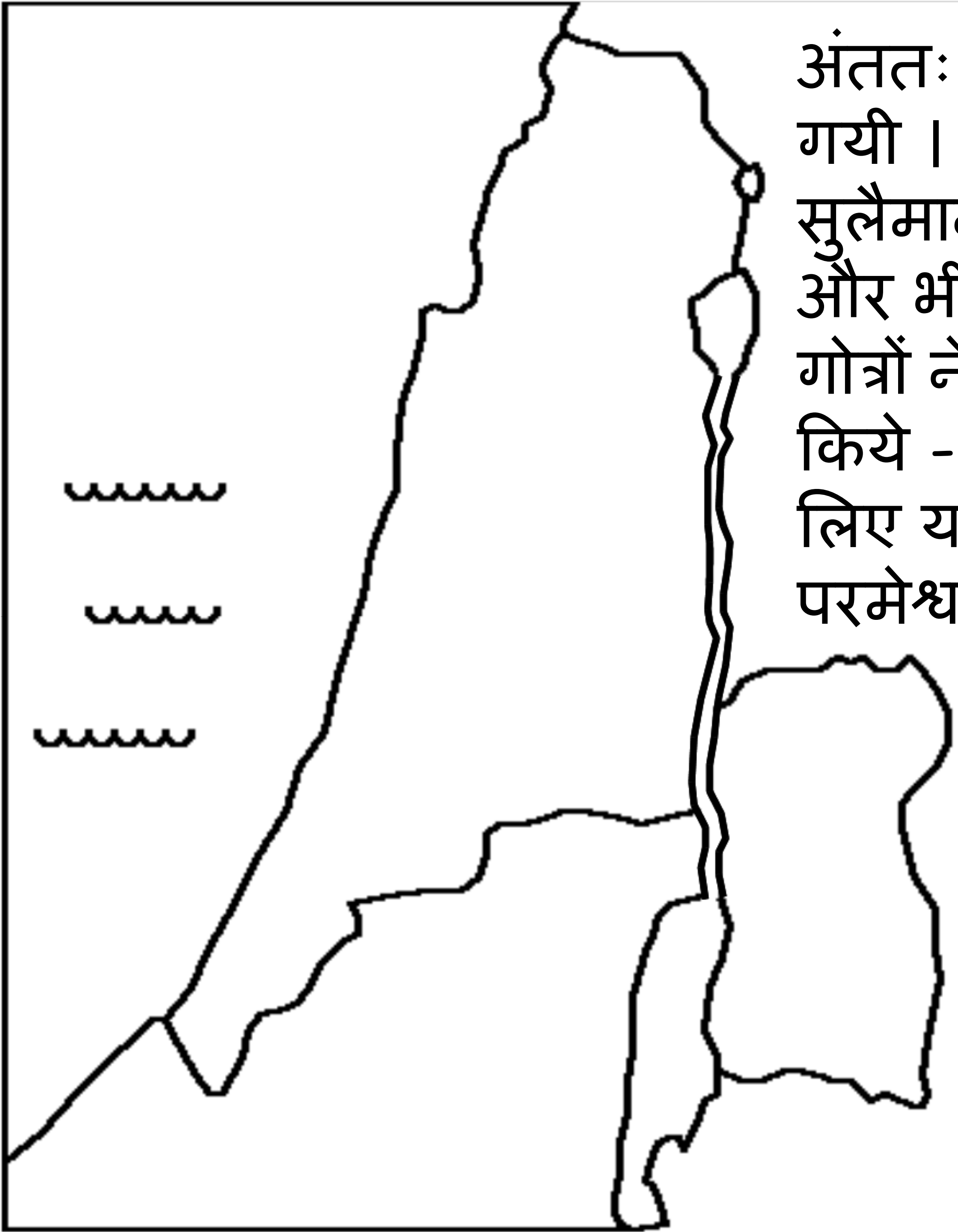

अंततः सुलैमान की मृत्यु हो गयी । उसका पुत्र रहूबियाम ने, सुलैमान की तुलना में लोगों पर और भी भारी कर लगाया। दस गोत्रों ने उसके बिरूद्ध बगावत किये - और उनका अगुवा होने के लिए यारोबाम को चुना। जैसा की परमेश्वर के भक्त ने कहा था, वैसा ही सुलैमान का महान राज्य, दो भागों में विभाजित हो गया। परमेश्वर अनाज्ञाकारियों को आशीषित नहीं कर सकता!

बुद्धिमान राजा सुलैमान

बाइबिल से, परमेश्वर के वाणी में कहानी

में पाया गया

1 राजा 1-12

“जो आपके जीवन में प्रकाश देता है।”
प्लाज्म 119:130

समाप्त

बाइबल की यह कहानी हमें अपने उस अद्भुत परमेश्वर के बारे में बतलाती है जिसने हमें बनाया और जो चाहता है कि आप उसे जानें।

परमेश्वर जानता है कि हमने ऐसे गुनाह किए हैं जिन्हें वह पाप मानता है। पाप की सज़ा मौत है किंतु परमेश्वर आपसे इतना प्रेम करता है कि उसने अपने एकमात्र पुत्र यीशु को इस दुनिया में भेजा ताकि वह सूली (क्रॉस) पर चढ़कर आपके पापों की सजा भुगते। यीशु मरने के बाद पुन: जीवित हुआ और स्वर्ग में अपने घर चला गया। यदि आप यीशु में विश्वास करते है और उससे अपने पापों की क्षमा मांगते हैं तो वह अपकी प्रार्थना सुनेगा। वह अभी आकर आपके अंदर बसेगा और आप हमेशा ही उसके साथ बने रहेंगे।

यदि आपको विश्वास है कि यह सब कुछ सच है, तो परमेश्वर से कहें: प्रिय यीशु, मुझे विश्वास है कि तू ही परमेश्वर है और मनुष्य के रूप में अवतरित हुआ ताकि मेरे पापों की वजह से। मौत की सजा भुगत सके और अब तू पुन: जीवित हुआ है। कृपया मेरी ज़िंदगी में आकर मेरे पापों को क्षमा कर, ताकि मुझे एक नया जीवन मिले और एक दिन में हमेशा हमेशा के लिए तेरे साथ हो लूं। हे यीशु, मेरी मदद कर ताकि मैं तेरी हर आज्ञा का पालन कर सकूं और तेरी संतान के रूप में तेरे लिए जी सकूं। आमीन।

बाइबल पढ़ें और प्रतिदिन ईश्वर से बात करें! जॉन 3:16